अध्याय 4

क्रिया एवं क्रिया भेद

जिन शब्दों से किसी कार्य का होना या करना समझा जाए, उन्हें 'क्रिया' कहते हैं; जैसे– खाना, पीना, पढ़ना, लिखना, चलना, दौड़ना इत्यादि। हिन्दी में **क्रिया** के रूप 'लिंग', 'वचन' और 'पुरुष' के अनुसार बदलते हैं।

क्रिया के मूल रूप को 'धातु' कहते हैं। धातु के आगे 'ना' जोड़ने से क्रिया का सामान्य रूप बन जाता है; जैसे– 'पढ़' धातु में ना जोड़ने से पढ़ना बन जाता है, इसी प्रकार लिख + ना = लिखना; चल + ना = चलना आदि।

क्रिया के भेद

क्रिया के मुख्य रूप से दो भेद होते हैं–

1. **सकर्मक क्रिया** जिन क्रियाओं के कार्य का फल कर्ता को छोड़कर कर्म पर पड़ता है, उन्हें 'सकर्मक क्रिया' कहते हैं; जैसे– 'अध्यापक ने लड़के को पीटा' इस वाक्य में अध्यापक (कर्ता) द्वारा पीटने के कार्य का फल लड़के (कर्म) पर पड़ रहा है, अत: इस वाक्य में सकर्मक क्रिया है।
2. **अकर्मक क्रिया** जिन क्रियाओं के कार्य का फल 'कर्ता' में ही पड़ता है, उन्हें 'अकर्मक क्रिया' कहते हैं; जैसे– 'विद्यार्थी पढ़ता है।' इस वाक्य में 'पढ़ना' क्रिया का फल विद्यार्थी (कर्ता) पर पड़ता है। अत: इस वाक्य में अकर्मक क्रिया है।

उल्लेखनीय जिन धातुओं का प्रयोग अकर्मक और सकर्मक दोनों रूपों में होता है, उन्हें 'उभयविध धातु' कहते हैं।

कुछ क्रियाएँ 'एक कर्म वाली' और 'दो कर्म वाली' होती हैं; जैसे– 'राहुल ने रोटी खाई।' इस वाक्य में कर्म एक ही है। किन्तु 'मैं लड़के को गणित पढ़ाता हूँ।' इस वाक्य में दो कर्म हैं—'लड़के को' और 'गणित'। दो कर्म वाली क्रिया को 'द्विकर्मक क्रिया' कहते हैं।

क्रियाओं के अन्य भेद

क्रियाओं के चार अन्य (Secondary) भेद हैं–

1. संयुक्त क्रिया

दो या दो से अधिक क्रियाओं के योग से जो पूर्ण क्रिया बनती है, उसे 'संयुक्त क्रिया' कहते हैं; जैसे– 'राम खाना खा चुका'। इस वाक्य में 'खाना' और 'चुकना' दो क्रियाओं के योग से पूर्ण क्रिया बनी है। अत: यहाँ संयुक्त क्रिया है। संयुक्त क्रियाएँ अभ्यास, अनिष्टता, अनुमति, अवकाश, आरम्भ, आवश्यकता, इच्छा, निरन्तर, पूर्णता, समाप्ति इत्यादि अर्थों में प्रयुक्त होती हैं।

2. नामधातु क्रिया

जो क्रियाएँ संज्ञा या विशेषण से बनती हैं, उन्हें 'नामधातु क्रिया' कहते हैं; जैसे–
संज्ञा से बात से बतियाना, हाथ से हथियाना, दु:ख से दुखाना, लाज से लजाना।
विशेषण से गर्म से गरमाना, चिकना से चिकनाना।

3. प्रेरणार्थक क्रिया

जिन क्रियाओं से यह बोध होता है कि कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, उन्हें 'प्रेरणार्थक क्रिया' कहते हैं; जैसे– लिखना से लिखवाना, पढ़ना से पढ़वाना, करना से करवाना, जीतना से जितवाना आदि।

4. पूर्वकालिक क्रिया

जिन क्रियाओं के पहले कोई अन्य क्रिया आए, उन्हें 'पूर्वकालिक क्रिया' कहते हैं। पूर्वकालिक क्रिया, क्रिया का मूलरूप होती है तथा उसके साथ 'कर' या 'करके' का प्रयोग होता है; जैसे–

(i) वह खाना खाकर सो गया।
(ii) अपना पाठ पढ़कर खेलो।

क्रियाओं में रूपान्तर

क्रिया विकारी शब्द है। अत: इसके रूप में परिवर्तन होता रहता है।
इस परिवर्तन के छ: आधार हैं

1. वाच्य	2. वृत्ति
3. पुरुष	4. लिंग
5. वचन	6. काल

यहाँ हम केवल 'वाच्य' तथा 'वृत्ति' का अध्ययन करेंगे।

वाच्य

क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि किसी वाक्य में कर्ता, कर्म या भाव में किसी एक की प्रधानता है, उसे **वाच्य** (Voice) कहते हैं।
वाच्य तीन प्रकार के होते हैं

1. **कर्तृवाच्य** क्रिया के जिस रूप में कर्ता की प्रधानता रहती है और क्रिया का सीधा तथा प्रधान सम्बन्ध कर्ता से होता है, उसे कर्तृवाच्य (Active Voice) कहते हैं। इस वाच्य में क्रिया के **लिंग** और **वचन** कर्ता के अनुसार होते हैं; जैसे–
   (i) राम पत्र लिखता है।
   (ii) रीता पत्र लिखती है।
   (iii) लड़के पत्र लिखते हैं।

   इन वाक्यों में कर्ता की प्रधानता है तथा क्रिया के लिंग और वचन कर्ता के अनुसार हैं। कर्तृवाच्य में सकर्मक क्रिया के भी वाक्य होते हैं और अकर्मक क्रिया के भी; जैसे–

   सकर्मक कर्तृवाच्य गोपाल पुस्तक पढ़ता है।

   अकर्मक कर्तृवाच्य बालक सोता है।

2. **कर्मवाच्य** क्रिया के जिस रूप में **कर्म** की प्रधानता होती है और क्रिया का सीधा सम्बन्ध कर्म से होता है उसे कर्मवाच्य (Passive Voice) कहते हैं। इस वाच्य में क्रिया के **लिंग** और **वचन** कर्म के अनुसार होते हैं; जैसे– **'राम से पत्र लिखा जाता है।'** इस वाक्य में 'लिखा जाता है।' क्रिया का सीधा सम्बन्ध पत्र (कर्म) से है। अत: यह वाक्य कर्मवाच्य है। इस वाच्य में सकर्मक क्रिया के ही वाक्य होते हैं अकर्मक क्रिया के नहीं।
3. **भाववाच्य** क्रिया के जिस रूप में **भाव** की प्रधानता होती है और क्रिया का सीधा सम्बन्ध **भाव** से होता है, उसे 'भाववाच्य' कहते हैं। यह केवल अकर्मक क्रिया के ही वाक्यों में प्रयुक्त होता है; जैसे–
   (i) गाया नहीं जाता।
   (ii) बैठा नहीं जाता।

   इन वाक्यों में भाव की ही प्रधानता है। अत: ये वाक्य **भाववाच्य** हैं।

वृत्ति (क्रियार्थ)

क्रिया के जिस रूप से वक्ता के भाव का बोध होता है, उसे वृत्ति कहते हैं। *इसके निम्न छ: रूप हैं–*

1. **निश्चयार्थ** क्रिया के जिस रूप से निश्चित सूचना प्राप्त होती है उसे निश्चयार्थ कहते हैं; जैसे–लड़का पढ़ता है।
2. **आज्ञार्थ** क्रिया के जिस रूप से आज्ञा, उपेक्षा, प्रार्थना आदि का बोध होता है, उसे आज्ञार्थ कहते हैं; जैसे–
   (i) रमेश पुस्तक पढ़ो।
   (ii) ममता चाय लाओ।
3. **सम्भावनार्थ** क्रिया के जिस रूप से अनुमान या सम्भावना आदि का बोध होता है, उसे सम्भावनार्थ कहते हैं; जैसे– शायद यह मुकुल का भाई है।
4. **इच्छार्थ** क्रिया के जिस रूप से इच्छा, कामना, आशीर्वाद आदि का बोध हो, उसे इच्छार्थ कहते हैं; जैसे–
   (i) सदा खुश रहो।
   (ii) काश! मैं प्रधानमन्त्री होता।
5. **सन्देहार्थ** क्रिया के जिस रूप में कार्य के पूरा होने में सन्देह हो, उसे सन्देहार्थ कहते हैं; जैसे–
   (i) राधा ने खाना बना दिया होगा।
   (ii) निशा गीत गा रही होगी।
6. **संकेतार्थ** क्रिया के जिस रूप से एक क्रिया दूसरी क्रिया के होने का कारण बने, उसे संकेतार्थ कहते हैं; जैसे–
   (i) बारिश अच्छी होगी, तो फसल भी अच्छी होगी।
   (ii) यदि तुम पढ़ते, तो अवश्य सफल होते।

क्रिया के प्रयोग सम्बन्धी अनुदेश

क्रियाओं के प्रयोग के समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए

क्रिया के पुरुष, लिंग और वचन कहीं **कर्ता** के अनुसार होते हैं, कहीं **कर्म** के अनुसार और कहीं **क्रिया** के अनुसार होते हैं। *अत: क्रिया का प्रयोग तीन प्रकार से होता है*

- **कर्तरि प्रयोग** जिस वाक्य में क्रिया के पुरुष, लिंग और वचन **कर्ता** के अनुसार होते हैं, क्रिया के इस प्रयोग को 'कर्तरि प्रयोग कहते हैं; जैसे– राहुल अच्छी पुस्तकें पढ़ता है।
- **कर्मणि प्रयोग** जिस वाक्य में क्रिया के पुरुष, लिंग और वचन **'कर्म'** के अनुसार होते हैं, तो क्रिया के इस प्रयोग को 'कर्मणि प्रयोग' कहते हैं; जैसे– गीता को पुस्तक पढ़नी पड़ेगी।
- **भावे प्रयोग** जिस वाक्य में क्रिया के पुरुष, लिंग और वचन **कर्ता** के अनुसार न होकर सदैव अन्य पुरुष पुल्लिग एक वचन में हो, तब 'भावे प्रयोग' होता है; जैसे– मुझसे चला नहीं जाता।

✓ अभ्यास के लिए प्रश्न

1. क्रिया का मूल रूप कहलाता है।
(a) कर्म (b) कर्ता
(c) धातु (d) वचन

2. जिन क्रियाओं के कार्य का फल कर्ता पर पड़ता है, कहलाती हैं
(a) अकर्मक क्रिया (b) सकर्मक क्रिया
(c) एककर्मक क्रिया (d) द्विकर्मक क्रिया

3. जिन क्रियाओं के कार्य का फल कर्म पर पड़ता है, कहलाती हैं
(a) अकर्मक क्रिया (b) सकर्मक क्रिया
(c) कारक (d) धातु

निर्देश (प्र.सं. 4-7) *निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सी क्रिया है, चयन कीजिए*

4. ईश्वर है
(a) अकर्मक क्रिया (b) द्विकर्मक क्रिया
(c) सकर्मक (d) इनमें से कोई नहीं

5. मोहन हँस रहा है।
(a) सकर्मक क्रिया (b) अकर्मक क्रिया
(c) एककर्मक क्रिया (d) द्विकर्मक क्रिया

6. रवि ने आम खरीदे
(a) अकर्मक क्रिया (b) सकर्मक क्रिया
(c) (a) व (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

7. राम ने रावण को मारा
(a) संयुक्त क्रिया
(b) अकर्मक क्रिया
(c) सकर्मक क्रिया
(d) (b) व (c) दोनों

8. निम्न वाक्यों में से किसमें अकर्मक क्रिया है।
(a) रवि पत्र लिख रहा है।
(b) आशु विडियो गेम चला रहा है।
(c) मैं दिल्ली जा रहा हूँ।
(d) तुम खाना खा रहे हो।

9. किस वाक्य में सकर्मक क्रिया है?
(a) मोहन को प्रतिदिन पढ़ना चाहिए।
(b) तुम्हें रोज नहाना चाहिए।
(c) कवि हँस रहा है।
(d) तुलसीदास जी ने 'रामचरितमानस' लिखी।

10. कौन-से वाक्य में संयुक्त क्रिया है?
(a) तुम यहाँ से जाओ
(b) तुम शायद पढ़ चुके
(c) कहानी सुनाओ
(d) वह घर में गया

11. जो क्रियाएँ संज्ञा या विशेषण से बनती हैं, कहलाती हैं
(a) पूर्वकालिक (b) प्रेरणार्थक
(c) नामधातु (d) संयुक्त

12. निम्न में नामधातु क्रिया कौन-सी है?
(a) लिखवाना (b) करवाना
(c) पढ़वाना (d) गरमाना

13. निम्न में प्रेरणार्थक क्रिया का उदाहरण है
(a) राजू पंखा चला रहा है
(b) उसने मुझसे पत्र लिखवाया
(c) वह गाना गाकर खुश हो गया
(d) उसी से अनुमति माँग लो

14. "अलाउद्दीन ने धोखे से अपने पिता से सत्ता हथिया ली" वाक्य में कैसी क्रिया प्रयुक्त हुई है?
(a) पूर्वकालिक (b) नामधातु
(c) प्रेरणार्थक (d) संयुक्त

15. 'रवि गीता को पढ़ाकर स्कूल चला गया' वाक्य में रेखांकित अंश है
(a) नामधातु (b) प्रेरणार्थक
(c) पूर्वकालिक (d) संयुक्त

16. क्रिया के रूप परिवर्तन के मुख्यत: कितने आधार हैं?
(a) छः (b) सात
(c) आठ (d) नौ

17. क्रिया के किस रूप में कर्ता की प्रधानता होती है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

18. वाच्य मुख्यत: कितने प्रकार के होते हैं।
(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

19. क्रिया के किस रूप में कर्म की प्रधानता होती है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

20. क्रिया के किस रूप में भाव की प्रधानता होती है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

निर्देश (प्र.सं. 21-25) *निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सा वाच्य है चयन कीजिए।*

21. राम द्वारा पत्र पढ़ा जाता है।
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

22. रघु गीत गाता है
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

23. अब और चला नहीं जाता
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

24. पक्षियों को उड़ा दिया गया।
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

25. मुझसे ज्यादा पढ़ा नहीं जाएगा
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

26. इनमें से किस वाक्य में आज्ञार्थ वृत्ति हैं?
(a) रवि खेलता है।
(b) शायद वह दीना है।
(c) काश ! मैं लेखक होता।
(d) रवि, यहाँ आओ।

27. 'कदाचित् आज आप यहीं ठहरेंगे' वाक्य में कौन-सी वृत्ति है?
(a) आज्ञार्थ
(b) निश्चयार्थ
(c) सम्भावनार्थ
(d) सन्देहार्थ

28. निम्न में इच्छार्थ वृत्ति का वाक्य है?
(a) आप हमेशा स्वस्थ रहे।
(b) उसने पतंग पकड़ ली होगी
(c) शायद रीना घर है
(d) मोहन जाओ

29. "सुहानी आज होटल में ठहरी होगी" में कौन-सी वृत्ति है?
(a) इच्छार्थ (b) सम्भावनार्थ
(c) आज्ञार्थ (d) सन्देहार्थ

30. "यदि महिमा मेरी बात मानती, तो उसे ये दिन न देखने पड़ते" वाक्य में कौन-सी वृत्ति है?
(a) संकेतार्थ (b) सन्देहार्थ
(c) सम्भावनार्थ (d) इच्छार्थ

उत्तरमाला

1.	(c)	**2.**	(a)	**3.**	(b)	**4.**	(a)	**5.**	(b)	**6.**	(b)	**7.**	(c)	**8.**	(c)	**9.**	(d)	**10.**	(b)
11.	(c)	**12.**	(d)	**13.**	(b)	**14.**	(b)	**15.**	(c)	**16.**	(a)	**17.**	(a)	**18.**	(b)	**19.**	(b)	**20.**	(c)
21.	(b)	**22.**	(a)	**23.**	(c)	**24.**	(b)	**25.**	(c)	**26.**	(d)	**27.**	(c)	**28.**	(a)	**29.**	(d)	**30.**	(a)

अध्याय 5

विशेषण

विशेषण

संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द, 'विशेषण' कहलाते हैं तथा जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे 'विशेष्य' कहते हैं; जैसे–

- यह फूल पीला है।
- वह लड़का बुद्धिमान है।

उपर्युक्त उदाहरणों में 'पीला' व 'बुद्धिमान' विशेषण हैं और 'फूल' व 'लड़का' विशेष्य हैं। विशेषण की भी विशेषता बताने वाले शब्द 'प्रविशेषण' कहलाते हैं; जैसे–'रामू बहुत बुद्धिमान है वाक्य में 'बुद्धिमान' विशेषण है तथा 'बहुत' प्रविशेषण।

विशेषण के प्रकार

विशेषण चार प्रकार के होते हैं

1. गुणवाचक विशेषण

जिन शब्दों से किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दिशा, दोष, रंग, काल, दशा, आकार, स्थान आदि का पता चलता है, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे–सुन्दर गाय, कुरूप व्यक्ति, नीला आकाश, नया जूता, स्वस्थ मन आदि।